16

vfrfFk

प्रिय शिक्षार्थी, पिछले पाठ में आपने जन्तुशाला के विषय में पढ़ा। इस पाठ में आप पढ़ेंगे कि घर आये मेहमान से संस्कृत में किस तरह बात करते हैं। हमारे देश में अतिथि को भगवान का दर्जा दिया गया है – अतिथि देवो भव।

mís';

यह पाठ पढने के बाद आप सक्षम होंगे:

- घर पर आये अतिथि का अतिथ्य कर पाने में; और
- संस्कृत के नवीन शब्दों के माध्यमसे वाक्य निर्माण कर पाने में।

vfrfFk

16.1 eyikB

x'gLFk% d|r% Hkork 'kHkkxeu tkre

आपका आगमन कहाँ से हुआ है?

vfrfFk% vg r| ikVfyi|=kr vkxr% vfLeA

मैं पाटलिपुत्र से आया हूँ।

x'gLFk% Jherk 'kHkukeKkr| 'kDukfe

श्रीमान जी क्या मैं आपका नाम जान सकता हूँ?

vfrfFk% vo';| ek tuk% fi|;or 'kek bfr dFk;frA

अवश्य, मुझे लोग प्रियव्रत शर्मा कहते है।

d{kk & V

fVIi.kh

xgLFk% vkeA Jherkuk Jqre vfLr] fdUrq ij n'kueo u Ñroku vkluA Hkor% n'kuefi tkreA

हाँ, मैने आपका नाम सुना है परन्तु आपको देखा नहीं था। आज आपको देख भी लिया।

vfrfFk% eekfi ogk% dkykr~ v= vkxUrq mRd.Bk vklhrA

मैं भी लम्बे समय से यहाँ आने की सोच रहा था।

xgLFk% egku vuqxg% Ñr%A vk;kUrq mifo'kUrq] p vklus bna ty ficUrqA

यह हमारे लिए सम्मान की बात है। आइये, आसन गृहण कीजिये और पानी पिजिए।

vfrfFk% /kU;okn%A xh"erkS tye ,o thoue HkofrA

धन्यवाद! ग्रीष्मकाल में जल ही जीवन है।

xgLFk% Hkkstue vfifl)e vfLrA HkqDRok ,o vxPNUrqA

भोजन भी तैयार है। खाना खाकर ही जाईयेगा।

vfrfFk

vfrfFk% 'kkHkkueA vg Hkkstu HkqDRokuxj xfe";kfeA

अच्छा। मैं खाना खाकर ही शहर जाऊँगा।

xgLFk% vkxPNrq HkokuA Hkkstu djkrqA

आइये। भोजन कीजिये।

vfrfFk% vfrLoknHkkstu HkqDreA v/kuk vga xPNkfeA /kU;okn%A

भोजन बहुत स्वादिष्ट है। अब मैं चलता हूँ। धन्यवाद।

d{kk & V

fVIi.kh

ikBxr iz'u& 18-1

1. नीचे दिये गये प्रश्नों का उत्तर दीजिए –

1. अतिथेः नाम किम् अस्ति?

2. अतिथिः कुतः आगतवान?

3. भोजनं कृत्वा सः कुत्र गमिष्यति ?

4. भोजनं कथं आसीत् ?

5. ग्रीष्म ऋतौ जलं कथं भवति?

d{kk & V

fVIi.kh

vkiu D;k lh[kk\

- संस्कृत भाषा में आथित्य करना।
- संस्कृत के नवीन शब्दों के माध्यम से वाक्य निर्माण।

ikBkr iz'u

1. निम्न संस्कृत के नवीन शब्दों के प्रयोग से वाक्य निर्माण कीजिए–

   भवताम्, शुभागमनम्, शुभनाम, दर्शनम्, उत्कण्ठा, ग्रीष्मतौ, भुक्त्वा, अतिस्वादु, गमिष्यामि।

2. नीचे दिये गये चित्रों को देखकर संस्कृत में एक–एक वाक्यों का निर्माण कीजिए–

(i)

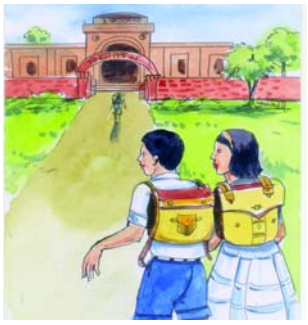

(ii)

mÙkjekyk

16.1

1. प्रियव्रतशर्मणः
2. पाटलिपुत्रात्
3. नगरम्
4. स्वादुः भोजनम्
5. जीवनमेव